

प्रेषक,

डॉ० उमाकांत पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक: 28, जनवरी, 2014

विषय- वित्तीय वर्ष 2013-14 में सहकारिता विभाग के अन्तर्गत सहकारी न्यायाधिकरण के आयोजनेत्तर पक्ष में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या-4802-03/नियो0/ पुनर्विनियोग/2013-14 दिनांक 19 नवम्बर, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में सहकारिता विभाग के आयोजनेत्तर पक्ष में शासनादेश संख्या-660/XIV-1/2013-05(4)/2013 दिनांक 12 अप्रैल, 2013 द्वारा पूर्व में अवमुक्त धनराशि में से संलग्न बी०एम० प्रपत्रानुसार पुनर्विनियोग करते हुए ₹5,50,000/- (रुपये पांच लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि पूर्व निर्धारित शर्तों के अधीन अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन तथा व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. ये आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-96(NP)/XXVII-4/2013 दिनांक 27 जनवरी, 2014 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-बी०एम० प्रपत्र-9।

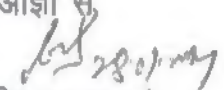
भवदीय,

(डॉ० उमाकांत पंवार)
सचिव।

संख्या:- १७५२(१)/XIV-1/2013, तददिनांक,

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
3. अध्यक्ष/सचिव, सहकारी न्यायाधिकरण, उत्तराखण्ड।
4. अपर निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा/देहरादून।
6. निर्देशक, एन०आइ०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
7. गार्ड फत्रावली।

आज्ञा से,

 (यू०सी० कबडवाल)
 अपर सचिव।